हरिभूमि

शौर्य भूमि

मंडला| अंजिनया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

5

जबलपुर, शुक्रवार 8 मई 2026

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

हृदय रोग शिविर का सफल आयोजन, 14 बच्चों की होगी निःशुल्क सर्जरी

मण्डला। कलेक्टर राहुल नामदेव धोटे के निर्देशन तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. डी.जे. मोहंती एवं सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक डॉ. विजय सिंह धुर्वे के मार्गदर्शन में जिला चिकित्सालय मंडला में राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम अंतर्गत संचालित मुख्यमंत्री बाल हृदय उपचार योजना के तहत हृदय रोग शिविर का सफल आयोजन किया गया। शिविर में जन्म से 18 वर्ष तक के जन्मजात हृदय रोग से पीड़ित बच्चों की जांच की गई। जबलपुर से आए शिशु हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. के.एल. उमा माहेश्वर ने 40 बच्चों की इको जांच कर स्वास्थ्य परीक्षण किया। जांच के दौरान 14 बच्चों को सर्जरी के लिए चिन्हित किया गया, जबकि 2 बच्चों को उपचार के लिए हायर सेंटर रेफर किया गया। वहीं 2 बच्चों को छह माह बाद पुनः जाँच के लिए बुलाया गया तथा 7 बच्चों का सर्जरी उपरांत फॉलोअप किया गया। 15 बच्चे सामान्य पाए गए। चयनित सभी बच्चों की निःशुल्क सर्जरी आरबीएसके कार्यक्रम के तहत कराई जाएगी। सर्जरी के लिए चिन्हित बच्चों में प्रियंका, मौली साहू, उमा प्रजापति, आयात सारौते, सागर यूके, तृषा भावरे, अंजली संयम, सरिता कुशराम, मयूरी, अरहान खान, दीक्षा, आदित्य, आरंभ यूके एवं दिशा धुर्वे शामिल हैं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. डी.जे. मोहंती ने बताया कि शिविर के सफल संचालन के लिए आरबीएसके के जिला शीघ्र हस्तक्षेप प्रबंधक अर्जुन सिंह को नोडल अधिकारी बनाया गया था। शिविर में डॉ. पी.एल. कोरी, डॉ. डी.के. मरकाम, डॉ. मनोज परस्ते, डॉ. कमलेश ठाकुर सहित आरबीएसके एवं जिला स्वास्थ्य विभाग की टीम ने सक्रिय सहयोग प्रदान किया।

प्रतिबंध के बावजूद कहां से आ रही इतनी बड़ी मात्रा में शराब

पवित्र नगरी में गली-गली बिक रही शराब

*** आबकारी विभाग बना शराब ठेकेदारों का प्रतिनिधि।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला

जब शहर में शराब का विक्रय एवं शराब का परिवहन पूर्णतः प्रतिबंधित है तो कैसे इतनी बड़ी मात्रा में रोजाना शराब की खेप पहुंच रही है शराब न केवल शहर में बल्कि आसपास के ग्रामों तक पहुंच रही है शराब की उपलब्धता इसका सेवन करने वालों के लिये बहुत ही आसान है आसपास की हॉटल, किराना दुकान, चाय दुकान, अंडे के ठेले, ढाबा आदि वे स्थान हैं जहां पर आसानी से शराब उपलब्ध हो जाती है और तो और बहुत सी चलित शराब दुकानें भी इन दिनों संचालित हैं इसके लिये आपको बस एक फोन घुमाना होता है और शराब आपके आशियाने में चखने सहित उपलब्ध हो जायेगी।

शराब का यह गोरख धंधा यदि हम मानने लें कि यह आबकारी विभाग के संज्ञान में नहीं है तो शायद यह दुनिया का सबसे बड़ा झूठ होगा इस विभाग के सभी अधिकारी एवं कर्मचारी सिर्फ और सिर्फ शराब ठेकेदारों, शराब माफियाओं एवं उनके गुर्गो की ही नौकरी बजा रहे हैं। आबकारी विभाग का अमला इन्हीं ठेकेदारों के आदेशों पर अमल करता है उनके फायदे के लिये शराब पकड़ी भी जाती है और छोड़ी भी जाती है शराब वह पकड़ी जाती है जो कि इन शराब माफियाओं के व्यापार को नुकसान पहुंचा रही होती है अथवा उस देशी शराब को पकड़ा जाता है जिसके लिये आदिवासी वर्ग को शासन ने विशेष छूट दे रखी है। गरीब आदिवासियों के पास से बॉटल दो बॉटल शराब पकड़कर बड़ी मात्रा में जप्ती बनाने का फर्जीवाड़ा भी आबकारी विभाग करता है लेकिन दूसरी ओर जहां बड़ी मात्रा में अंग्रेजी शराब का जखीरा पकड़ाता है तो वहां जप्ती कम मात्रा की बनाई जाती है अब ऐसा शायद इसीलिये किया जाता है कि मामला बड़ा न बने और ऊपर ही ऊपर जो शराब जप्त की जाती है उसका शानदार पैसा विभाग को मिल जाता है।

अब जबकि शराब के जिले में नये ठेके हुये हैं और इन ठेकों को बड़ी मात्रा में बढ़ी कीमतों के साथ लिया गया है तो जाहिर है कि पैसा निकालने के लिये उन क्षेत्रों में अब ज्यादा मात्रा में शराब पहुंचाई जायेगी जहां शराब का परिवहन एवं विक्रय प्रतिबंधित है जहां शराब की वैध दुकानें नहीं हैं ऐसे स्थानों पर निश्चित रूप से अब ऐसे ठिकाने बढ़ने वाले हैं जहां शराब आपको पूरे समय उपलब्ध रहेगी।

शराब के कारण ही बढ़ रहे अपराध

जिले में जो भी अपराधिक घटना होती है उनमें से 90 फीसदी अपराध के पीछे नशा ही मुख्य वजह होती है जब कम उम्र के लोगों को ही आसपास ही शराब आसानी से उपलब्ध हो जाये तो फिर नशे की हालत में अपराधिक घटनायें तो बढ़ेंगी ही।

पिछले काफी समय से बहुत से ग्रामों की महिलाओं ने आगे आकर इस तरह की गतिविधियों पर रोक लगाने प्रदर्शन किया गया उन स्थानों पर ढाबा बोला गया जहां अवैध रूप से अंग्रेजी शराब का विक्रय किया जाता था उन लोगों के विरूद्ध भी प्रदर्शन किया जो इस तरह से अवैध रूप से शराब का विक्रय करते थे लेकिन आबकारी विभाग और पुलिस द्वारा इस पूरे प्रदर्शन को अवैध कच्ची शराब के साथ जोड़ दिया गया और गांव-गांव प्रदर्शन प्रायोजित भी कराये गये जो कि सिर्फ देशी शराब के विरोध में थे लिहाजा जो प्रदर्शन इन माफियाओं के विरूद्ध हो रहा था उसका उतना असर न दिखाई दे।

शासन को एक बार पुनः विचार करना होगा कि वे मण्डला को पवित्र नगरी मानते हैं तो पूर्ण रूप से खुले में मांस विक्रय एवं नर्मदा माँ के तट पर शराब विक्रय पर पूर्णतः प्रतिबंध लगे और यदि ऐसा नहीं कर पा रहे तो फिर पुरानी व्यवस्था ही लागू कर दे जिससे एक ओर जहां शासन को राजस्व भी प्राप्त होगा वहीं दूसरी ओर एक वैध ठिकाने से ही शराब का विक्रय होगा गली-गली बने ये ठिकाने बंद हो जायेंगे।

तीन दिवसीय प्रवास पर कान्हा पहुंचा मलेशिया का प्रतिनिधि मंडल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला

कान्हा टाइगर रिजर्व अंतर्गत ग्लोबल टाइगर फोरम के माध्यम से मलेशिया वन विभाग का एक 7 सदस्यों का प्रतिनिधि दल 3 दिवसीय अध्ययन प्रवास पर कान्हा पहुँचा है।

इसके प्रथम दिवस अंतर्गत दिनांक 06 मई 2026 को खटिया इको सेंटर में मलेशिया प्रतिनिधि मंडल एवं कान्हा प्रबंधन की उपस्थिति में एक महत्वपूर्ण कार्यशाला सह परिचर्चा का आयोजन किया गया। इस दौरान वन्यजीव प्रबंधन, संरक्षण रणनीतियों, मानव-वन्यजीव सहअस्तित्व एवं आधुनिक प्रबंधन तकनीकों पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया।

कार्यक्रम में ग्लोबल टाइगर फोरम के विशेष सलाहकार एवं सेवानिवृत अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक डॉ एच. एस. नेगी, अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक श्री एल.कृष्णमूर्ति, क्षेत्र संचालक श्री रवींद्र मणि त्रिपाठी , उप संचालक श्रीमती अमिथा के .बी एवं अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहें 1 इस दौरान विशेषज्ञों द्वारा कान्हा प्रबंधन के विभिन्न आयामों, best practices तथा वन्य जीव संरक्षण के सफल मॉडलों पर प्रभावी प्रस्तुतीकरण दिया गया।

उपरांत प्रतिनिधि मंडल द्वारा क्षेत्र भ्रमण (field visit) किया गया, जिसमें उन्हें orphan cub (अनाथ शावकों के संरक्षण एवं पुनर्वास) से संबंधित कार्यों का फील्ड एक्सपोज़र प्रदान किया गया। इस दौरान दल ने संबंधित प्रक्रियाओं, प्रबंधन प्रणाली एवं व्यावहारिक पहलुओं को निकटता से समझा।

मलेशिया के प्रतिनिधि मंडल ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे अपने देश में भी लागू करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की तथा इसे वन्यजीव संरक्षण के क्षेत्र में एक अत्यंत प्रभावी मॉडल बताया।

यह दल आगामी 3 दिनों तक कान्हा में प्रवास पर रहेगा एवं वन्यजीव प्रबंधन की बारीकियों का गहन अध्ययन करते हुए विभिन्न प्रबंधन गतिविधियों का प्रत्यक्ष अवलोकन करेगा।

बिछिया हाउस लिस्टिंग ब्लॉक 323 का निरीक्षण, फील्ड में कार्य करती मिलीं एन्यूमरेटर अंजू दुबे

मण्डला। डिप्टी कलेक्टर एवं जिला जनगणना अधिकारी श्रीमती क्षमा सराफ ने गुरुवार को बिछिया क्षेत्र के हाउस लिस्टिंग ब्लॉक क्रमांक 323 का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जनगणना एवं सर्वे कार्य की प्रगति का जायजा लिया। निरीक्षण के समय एन्यूमरेटर अंजू दुबे फील्ड में सक्रिय रूप से कार्य करती हुई मिलीं। उन्होंने निर्धारित क्षेत्र में घर-घर पहुंचकर आवश्यक जानकारी संकलित करने का कार्य किया। अधिकारियों द्वारा उनके कार्य की सराहना करते हुए सर्वे कार्य को पूरी गंभीरता एवं शुद्धता के साथ संपादित करने के निर्देश दिए गए। इस दौरान संबंधित अधिकारियों ने हाउस लिस्टिंग कार्य की गुणवत्ता, डेटा संकलन की प्रक्रिया एवं समयबद्ध प्रगति की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश भी प्रदान किए।

मुख्यमंत्री ने जेवरा पहुंचकर ज्योति कुलस्ते को दिया आशीर्वाद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मंडला जिले के विधानसभा निवास के ग्राम जेवरा में सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते की सुपुत्री ज्योति कुलस्ते के वैवाहिक समारोह में शामिल हुए। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की भी विशेष मौजूदगी रही। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने ज्योति कुलस्ते को सुखद एवं समृद्ध वैवाहिक जीवन की शुभकामनाएं देते हुए उज्ज्वल भविष्य का आशीर्वाद प्रदान किया। उन्होंने स्मृति स्वरूप उपहार भेंट कर उन्हें जीवन के नए अध्याय के लिए मंगलकामनाएं दीं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कुलस्ते परिवार के सदस्यों से भी आत्मीय भेंट कर शुभकामनाएं व्यक्त कीं। समारोह में छत्तीसगढ़ के वन एवं सहकारिता मंत्री केदार कश्यप,केंद्रीय आवास एवं शहरी विकास राज्य मंत्री तोखन साहू, मध्यप्रदेश शासन में कैबिनेट मंत्री श्रीमती सम्पतिया उइके, राज्य मंत्री नगरीय विकास एवं आवास श्रीमती प्रतिमा बागरी, विधायक डॉ. अभिलाष पांडे, दिनेश राय मुनमुन, कमल मर्सकोले, कालूसिंह ठाकुर, जिला पंचायत अध्यक्ष मंडला संजय कुशराम, जिला पंचायत अध्यक्ष डिंडौरी रूद्रेश परस्ते सहित अन्य विशिष्ट जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारियों ने संभाग आयुक्त धनंजय सिंह, आईजी विनीत जैन, कलेक्टर राहुल धोटे, कलेक्टर डिंडौरी श्रीमती अंजू भदौरिया, एडिशनल एसपी शिवकुमार वर्मा, सीईओ शाश्वत सिंह मीना, गणमान्य नागरिक एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

खड़े ट्रक से टकराई बाइक, युवक की मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला

मंडला जिले के बिछिया थाना क्षेत्र में बुधवार देर रात एक सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत हो गई। यह हादसा नेशनल हाईवे-30 पर किकरा नाला के पास हुआ, जहां एक तेज रफ्तार बाइक सड़क किनारे खड़े ट्रक से टकरा गई। मृतक की पहचान 22 वर्षीय कपिल पट्टा के रूप में हुई है, जो छीरपानी का निवासी था। हादसे में कपिल गंभीर रूप से घायल हो गया था। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस और हाईवे हेल्पलाइन 1033 को सूचना दी। सूचना मिलते ही एम्बुलेंस पायलट लेखराम यादव, ईएमटी आनंद मार्को और सहायक सुरजीत मौके पर पहुंचे। घायल युवक को गंभीर हालत में बिछिया अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी मिलते ही बिछिया पुलिस भी मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त ट्रक को जब्त कर लिया है। शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंपने की प्रक्रिया जारी है। पुलिस फिलहाल हादसे के कारणों की जांच कर रही है।

धरना प्रदर्शन | कान्हा नेशनल पार्क में चल रही लापरवाही के खिलाफ हो रहा धरना प्रदर्शन।

धरना में पहुंचे वन अधिकारी नहीं बनी बात

*** पिछले 5 वर्षो के बजट को सार्वजनिक किये जाने की मांग।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला

कान्हा नेशनल पार्क में चल रही लापरवाही के खिलाफ हो रहे धरना प्रदर्शन के तीसरे दिन कान्हा नेशनल पार्क के एसडीओ आशीष पांडे, मुकेश अपने अमले के साथ धरना प्रदर्शन स्थल पहुंचे जहां पर पत्रकारों से संवाद किया और उन्होंने कहा कि जो भी समस्याएं हैं इनका निराकरण किया जाएगा। काफी देर तक चली चर्चा के बाद भी कोई खास हल नही निकल पाया है। अधिकारी मनाते रहे लेकिन पत्रकारों के सवालों के जबाव नही दे पाए यहां पर यह विषय भी आया कि विगत पांच साल पहले तक हर वर्ष पत्रकारों को साल में दो बार कान्हा के जंगल का भ्रमण कराया जाता था जहां पर चल रही गतिविधियों से अवगत कराते हुए सुरक्षा के इंतजाम और नई रणनीति से अवगत कराया जाता था लेकिन यह परम्परा भी बंद कर दी गई है। अधिकारी ने कहा कि आप लोगों की मांगे जायज है और हम इसका हल निकाल रहे हैं लेकिन पत्रकारों के बीच बैठक न हो पाने से निर्णय लिया गया कि अभी धरना जारी रहेगा। पत्रकारों ने कहा कि मांगे काफी है और हर बिंदुओं पर चर्चा होनी है और उसका ठोस उत्तर या निराकरण होना चाहिए। फिलहाल धरना प्रदर्शन जारी रहेगा। कान्हा के हालात इतने चिंताजनक हो चुके हैं कि न सिर्फ वन्यजीव प्रेमी बल्कि स्थानीय लोग पत्रकार और सामाजिक संगठन भी अब खुलकर प्रबंधन के खिलाफ आवाज उठाने लगे हैं जनवरी 2026 से लेकर अब तक कान्हा में 7 बाघों की मौत हो चुकी है जबकि पिछले एक वर्ष में यह आंकड़ा 12 तक पहुंच चुका है। यह संख्या किसी भी संरक्षित क्षेत्र के लिए बेहद चिंताजनक मानी जाती है खासकर तब जब यह क्षेत्र प्रोजेक्ट टाइगर के अंतर्गत आता हो और यहां सुरक्षा के लिए विशेष संसाधन उपलब्ध कराए जाते हों घटनाओं का क्रम भी कम चौंकाने वाला नहीं है। लगातार हो रही मौतों ने इनके भविष्य को लेकर भी चिंता बढ़ा दी है। पत्रकारों ने 14 सूत्रीय मांगों का एक विस्तृत ज्ञापन तैयार किया है जिसमें कई सख्त और महत्वपूर्ण मांगें शामिल हैं हर माह पत्रकारों की 5 सदस्यीय टीम द्वारा मॉनिटरिंग, गलत जानकारी देने पर प्रबंधन के खिलाफ एफआईआर, पार्क के अंदर किए गए पक्के निर्माण होटल, रेस्टहाउस हटाए जाएं,तीनों गेटों के आसपास अतिक्रमण हटाया जाए रिसॉर्ट और होटलों को मांसाहार मुक्त किया जाए डीजे, आतिशबाजी और शादी-पार्टी पर प्रतिबंध, पूरे स्टाफ का स्थानांतरण, पिछले 5 वर्षों का पूरा बजट सार्वजनिक किया जाए वन्यजीव सुरक्षा, चिकित्सा और आहार पर खर्च का खुलासा प्रचार-प्रसार में खर्च की जानकारी पत्रकारों और अधिकारियों का संयुक्त व्हाट्सएप ग्रुप निर्माण कार्यों और जल व्यवस्था की जानकारी संक्रमण के खतरे को देखते हुए एनजीओ पर प्रतिबंध सफारी वाहनों की संख्या और जानकारी सार्वजनिक करना प्लास्टिक डिस्पोजल पर पूर्ण प्रतिबंध हालांकि मांगें 14 बताई गई हैं लेकिन सूची में कई अतिरिक्त बिंदु भी शामिल हैं जो आंदोलन की गंभीरता को दर्शाते हैं। अब तक इस पूरे मामले में प्रशासन की ओर से कोई ठोस और विस्तृत प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

कृषि और संबद्ध विभागों की समन्वित बनेगी कार्ययोजना

*** कलेक्टर ने दिए क्लस्टर अप्रोच पर काम करने के निर्देश।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला

कलेक्टर राहुल नामदेव धोटे ने कहा कि मंडला ग्रामीण अर्थव्यवस्था वाला जिला है और यहां कृषि व संबद्ध क्षेत्रों में अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन और मत्स्य पालन विभाग को समन्वित वार्षिक कार्ययोजना बनाकर कलेक्टिव एप्रोच पर काम करने के निर्देश दिए।

बुधवार को कलेक्ट्रेट के गोलमेज कक्ष में कृषि उत्पादन समिति (एपीसी) की बैठक आयोजित हुई। बैठक में उप संचालक कृषि, सहायक संचालक उद्यानिकी, सहायक संचालक मत्स्य पालन और पशु चिकित्सा अधिकारियों ने पिछले वर्ष के लक्ष्यों की प्रगति और वर्ष 2026-27 की विभागीय कार्ययोजना का प्रस्तुतीकरण दिया।

कोदो-कुटकी, दलहन-तिलहन पर फोकस

कलेक्टर श्री धोटे ने उप संचालक कृषि को निर्देश दिए कि जिले में कोदो-कुटकी, दलहन और तिलहन उत्पादन बढ़ाने के लिए विशेष योजना बनाएं। किसानों को इन फसलों का रकबा बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया जाए, ताकि परंपरागत मोटे अनाज को बढ़ावा मिले और किसानों की आय बढ़े।

उद्यानिकी में पोटेंशियल देखकर बने क्लस्टर

उद्यानिकी विभाग की समीक्षा करते हुए कलेक्टर श्री धोटे ने कहा कि योजना सिर्फ टार्गेट वर्सेस अचीवमेंट के आधार पर न बने। जिले में क्षेत्र की संभावनाओं को समझकर क्लस्टर अप्रोच पर काम करना होगा। उन्होंने कहा कि कृषि के जरिए लोगों की जिंदगी में बदलाव लाने में समय लगता है, लेकिन उद्यानिकी के माध्यम से यह लक्ष्य कम समय में पूरा किया जा सकता है।

बायोफ्लॉक को फिश पार्लर से जोड़ें

सहायक संचालक मत्स्य पालन को निर्देश देते हुए कलेक्टर ने कहा कि जिले में बायोफ्लॉक पर फोकस करें, यह कम स्थान पर सघन मत्स्य पालन की जैविक विधि है, जो किसानों को अच्छी अतिरिक्त आय का साधन बन सकती है। उन्होंने कहा कि इसके लिए पूरा होमवर्क करें और इसकी इकाइयों की संख्या बढ़ाई जाए। साथ ही इसका फॉरवर्ड लिंकेज प्लान करते हुए इसे फिश पार्लर से जोड़ा जाए, ताकि उत्पादन के साथ-साथ उचित बाजार की व्यवस्था भी सुनिश्चित हो सके।

बैठक में सहायक कलेक्टर शैलेंद्र चौधरी, सीईओ जिला पंचायत शाश्वत सिंह मीना, उपसंचालक कृषि अश्विनी झारिया, सहायक संचालक उद्यान सुश्री दीपा कुलेश, सहायक संचालक मत्स्य पालन एलएस सैयाम, एसडीओ कृषि मधु अली सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

खबर संक्षेप

नवीन विग्रह प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव की निकाली गई भव्य शोभायात्रा

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। नगर के श्रीदेव अटल बिहारी मंदिर मे अखिल कोटि ब्रह्माण्ड नायक परमाराध्य लाड़ले ठाकुर श्रीदेव अटल बिहारी लाल के नवीन विग्रह एवं श्रीदेव अटल बिहारी लाल युगल सरकार उत्सव विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा का पांच दिवसीय महोत्सव का आयोजन किया गया। इस तरह पंच दिवसीय कार्यक्रम बीते हुये बुधवार को शाम 5 बजे भव्य शोभा यात्रा नगर के श्री देव अटल बिहारी मंदिर से डीजे एवं ढ़ोल बाजे के साथ निकाली गईं जो नगर के प्रमुख मार्गो से निकलती हुई वापिस अटल बिहारी मंदिर में संपन्न हुई। शोभा यात्रा के समापन पर मूर्तियों का शुद्व घी से अभिषेक कर आरती की गई। इस अवसर पर बड़ी संख्या मे धर्मप्रेमी श्रद्धालु उपस्थित रहे। वही कल गुरूवार 7 मई को महास्नान, सहस्त्र धाराभिषेक शाम को 5 बजे हवन कुंड निर्माण व हवन, आरती का आयोजन संपन्न हुआ। वही आज 8 मई को सुबह प्राण प्रतिष्ठा व भंडारा शाम 7 बजे से भोजराज धर्मशाला में होगा।

हाई एवं हायर सेकण्डरी स्कूल की द्वितीय परीक्षाओं का हुआ शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। शिक्षा विभाग के आदेश अनुसार हाई स्कूल और हायर सेकंडरी की द्वितीय परीक्षा कल 7 मई दिन गुरुवार से प्रारंभ हो गई । बताया जाता है कि इस परीक्षा के लिए ब्लॉक स्तर पर संदीपनी विद्यालय साईखेड़ा एवं शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय चीचली को केंद्र बनाया गया है। यह परीक्षा सुबह 9 से 12 बजे तक की पाली में संचालित हो रही है। परीक्षा के शुरुआती दिन कक्षा 10 वी के विद्यार्थियों ने हिंदी विषय का परचा हल किया। यहाँ उल्लेखनीय है कि परीक्षा के सुचारु संचालन की दृष्टि से उड़नदस्ते का गठन किया गया है।

विभागीय अधिकारियों की उदासीनता के चलते आस्तित्व खोते चली जा रही है दूर संचार सेवा

हरिभूमि न्यूज/ सांईखेड़ा। दूर संचार के क्षेत्र में जहां एक ओर निजी कंपनियों द्वारा अपने ग्राहको को नई नई सौगाते प्रदान करने में लगी हुई है, वही दूसरी ओर भारत की सबसे बड़ी दूसर संचार कंपनी में पदस्थ अधिकारियों की उदासीनता के चलते दूर संचार सेवा ग्रामीण क्षेत्रों में अपना अस्तित्व खोते हुए जान पड़ रही है? क्योंकि जब किसी भी उपभोक्ता का फोन खराब हो जाता है और वह संबंधित विभाग के अधिकारियों से शिकायत करते हुए उसके सुधार की गुहार लगाता है तो गाडरवारा क्षेत्र में पदस्थ प्रमुख अधिकारियों द्वारा उसके उपकरण में सुधार की बात तो दूर उनकी समस्याओं के निराकरण की ओर ध्यान ही नही दिया जाता है जिसके चलते जहां एक ओर लोगों का देश की सबसे बड़ी दूर संचाकर कंपनी से लोगों का भरोसा उठाता चला जा रहा है? वही इस विभाग में पदस्थ प्रमुख अधिकारियों की कार्य प्रणाली से यह जान पड़ रहा है कि शायद उनके द्वारा निजी कंपनियो को लाभ दिलाने की सोच के चलते इस प्रकार की उदासीनता बरती जा रही है? क्योंकि बीते हुए कुछ माहिनों से देखा जा रहा है कि गाडरवारा व सांईखेड़ा नगर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों की दूर संचार सेवा पूर्ण रूप से पटरी से उतरते हुये देखे जाने के बाद भी संबंधित अधिकारियों द्वारा किसी भी प्रकार से ध्यान देना उचित नही समझ रहे है, ध्यान ही नही दिया जा रहा है, जिसके चलते यह सेवा बदहाली की ओर अपना कदम बढ़ाने से नही चूक रही है? जबकि गौर किया जावे तो देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा इस समय देश को डिजीटल बनाने की सोच के साथ कार्य कर रहे हैं।

अतिक्रमण हटने की मुहिम से आमजन द्वारा यातायात में सुधार की जताई जा रही उम्मीद, एसडीएम की कार्यवाही पर सराहना तो अतिक्रमणकारियों के चेहरे हुये मायूस...

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा।

नगर की सड़को पर जिस तरह अतिक्रमण का जाल बिछा हुआ है उसके चलते सड़क दुर्घटनाये होना आम बात बन चुकी है। वही दूसरी ओर हाल यह बना हुआ है कि जिसकी जहां मर्जी होती है वहां पर वह अपने टपरे स्थापित करते हुये अतिक्रमण करने में पीछे नही रहता है। इस अतिक्रमण कारियों की सच्चाई पर नजर डाली जावे तो अतिक्रमण करने वालों में गरीब व बेरोजगारों की संख्या तो कम ही देखने मिलेगी। मगर मुख्य अतिक्रमण इस तरह के प्रभावशाली लोगों के साथ साथ तत्वों द्वारा किया गया है जो रातो रात शासकीय भूमि पर अतिक्रमण रूपी कब्जा करते हुये अपने टपरे स्थापित करने के बाद गरीब व बेरोजगारों को किराये से देकर अपनी जेबे भरने में पीछे नही है..? नगर का शांतिदूत तिरहा हो या फिर पानी टंकी क्षेत्र से लेकर शासकीय चिकित्सालय मार्ग के सामने वाला इलाका सहित नगर के बीटीआई स्कूल के पास की शासकीय भूमि के साथ साथ निर्माणाधीन ओबर ब्रिज के नीचे जहां पर रातो रात अपनी पहुंच व प्रभाव की दम पर सैकड़ो टपरे स्थापित करते हुये उन्हें किराये से देकर अपनी जेबे भरने से नही चूक रहे है। इस स्थिति में गरीब व बेरोजगारों तो अपनी रोजी रोटी चलाने के लिये प्रभावशालियों द्वारा किये गये अतिक्रमण की दुकानों पर किराये देते हुये देखे जा रहे है। वही दूसरी ओर अतिक्रमण के नाम पर बदनाम बही गरीब जन होने से नही चूक रहे है। इतना ही नही इन प्रभावशाली अतिक्रमणकारियों द्वारा इन गरीबों को अपना अतिक्रमण बचाने के लिये ढाल के रूप में उपयोग करने में पीछे नही रहते है..? इस प्रकार से नगर में चारो ओर फैले हुये अतिक्रमण के चलते जहां यातायात व्यवस्था प्रभावित होते हुये देखी जा रही है। इस सच्चाई व अतिक्रमण के चलते आमजन हो होने वाली परेशानियों को मीडिया द्वारा लगातार उजागर किये जाने के बाद भी अतिक्रमण कारियों को उच्च स्तर से मिलने वाले संरक्षण तथा अपने पहुंच के प्रभाव के चलते अधिकारी इनका अतिक्रमण हटाने की हिम्मत जुटाने में सफल नही हो पाये है..? क्योंकि पूर्व में अनेकों बार देखने मिला है कि जब भी किसी अधिकारी द्वारा नगर में इस तरह अतिक्रमण हटाने की शुरूआत की गई है तो वह मात्र औपचारिकता पूर्ण ही साबित होने से नही चूक पाई है। क्योंकि मात्र चंद गरीबों का अतिक्रमण हटाने के बाद इस अतिक्रमण विरोधी मुहिम को ठंडा होने के लिये मजबूर होते हुये देखा गया है। इस प्रकार से आमजन की परेशानियों को ध्यान में रखते हुये नगर को अतिक्रमण से मुक्त कराने की वीणा जिस प्रकार से अनुभवी व कुशल नेतृत्व से परिपूर्ण एसडीएम कलावति व्यारे के साथ तहसीदार प्रियंका नेताम, मुख्य नगर पालिका अधिकारी वैभव देशमुख, उप पुलिस अधीक्षक एल एस डागुर, नगर निरीक्षक अशोक सिंह चौहान द्वारा उठाया गया है उसकी आमजनता द्वारा खुले मन से सराहना की जा रही है..? वही आमजन का कहना है कि यह अतिक्रमण विरोधी मुहिम नगर के शांतिदूत तिरहा से लेकर छीपा तिराहा, पानी टंकी, शासकीय चिकित्सालय के सामने वाला मार्ग, पलोटन गंज, रेल्वे स्टेशन रोड, निर्माणाधीन रेलवे ओबर ब्रिज के साथ साथ शहर का मुख्य बाजार झंडाचौका, पुरानी गल्लामंडी, पुराना बस स्टेन्ड, नया बस स्टेन्ड के साथ साथ नगर के सभी प्रमुख स्थानों पर चलाया जावे। क्योंकि इन स्थानों पर अतिक्रमण कारियों द्वारा जिस तरह नगर पालिका की नालियों सहित घरों के सामने अतिक्रमण करते हुये पक्का निर्माण करने में पीछे नही है। वही दूसरी ओर नगर की मुख्य सड़को पर धनवानों द्वारा जिस तरह अपना कब्जा जमाते हुये चार पहिया वाहन से लेकर अन्य प्रकार के वाहन खड़े किये जाते है उसके चलते ऐसा प्रतीत होने से नही चूकता है कि मानों सरकारी भूमि को इनके द्वारा बेनामा अपने नाम पर ही लिखा रखा है। इस तरह सही मायने में देखा जावे

तो अतिक्रमण करने के नाम पर गरीब लोग जरूर बदनाम होते हुये देखे जाते है। मगर मुख्य रूप से अतिक्रमणकारी वह लोग है जिन्होंने अपने शान के लिये वाहन खरीद लिये है और उन्हें सड़को पर रखते हुये यातायात व्यवस्था में बाधा पहुंचाने में पीछे नही है। कुछ इसी प्रकार का हाल खाली पड़ी हुई शासकीय उस भूमि का जहां पर टपरे जमाते हुये गरीबों को किराये पर देकर मनमाना किराया बसूलने में पीछे नही है। इस तरह बीते हुये दो दिनों से अनुविभागीय अधिकारी कलावति व्यारे के मार्ग दर्शन व उप पुलिस अधीक्षक एलएस डागुर तथा टीआई अशोक सिंह चौहान के सहयोग से मुख्य नगर पालिका अधिकारी वैभव देशमुख की टीम द्वारा शहर में अतिक्रमण विरोधी मुहिम छेड़ी गई उसके चलते प्रभावशाली उन अतिक्रमणकारियों के चेहरों पर चिंता की लकीरे साफ नजर आते हुये इस बात का संकेत देने से नही चूक रही है कि उनकी अवैध कमाई पर अब प्रतिबंध लग जावेगा। इस तरह से अनुविभागीय अधिकारी के नेतृत्व में बीते हुये दो दिनों से लगातार अतिक्रमण विरोधी मुहिम चलाई जा रही है उससे यह अनुमान लगने से नही चूक रहा है कि शायद अब नगर अतिक्रमण मुक्त होकर ही रहेगा..? प्रशासन की टीम द्वारा चलाई जा रही अतिक्रमण

मुहिम को लेकर जब हरिभूमि द्वारा आमजन से चर्चा की गई तो उनका कहना है कि नगर में काफी लम्बे समय बाद इस तरह से निष्ठावान अधिकारी देखने मिला है जो लगातार अपना बुलडोजर लेकर अतिक्रमण हटाने की हिम्मत जुटा पाया है। क्योंकि नगर के शासकीय चिकित्सालय के सामने फैले हुये अतिक्रमण के चलते जहां सड़क दुर्घटनाये आम बात हो चुकी है। वही दूसरी ओर यहां पर आवारा गर्दी करने वालों के चलते महिला मरीजों को अपना इलाज कराने के दौरान दहशत में देखा जाता है। इसी प्रकार का हाल नगर के चीचली मार्ग रेलवे के निर्माणाधीन ओबर ब्रिज के पास देखा जाता है। यहां पर फैले हुये अतिक्रमण के चलते देर रात तक असामाजिक तत्वों का बोल बाला होने के चलते देर रात ट्रेन से उतारने वाली सबारियों को परेशान होना पड़ता है। वही दूसरी ओर नगर की पानी टंकी के पास अतिक्रमण के कारण आये दिन विवाद होते हुये देखने मिलना आम बात बन चुकी है। इसलिये हमारे नगर के निष्ठावन अधिकारी से अपेक्षा है कि वह नगर के इन प्रमुख स्थानों पर फैले हुये अतिक्रमण को हटाते हुये शासकीय भूमि को तारबाडी के माध्यम से सुरक्षित कराया जावे जिससे यह अतिक्रमणकारी पुनः अपने मकसद में सफल न हो पाये...?

चंद मिनिट का इंतजार करने के जगह अपनी जान जोखिम में डालते हुये पार की जा रही रेल्वे लाईन

हरिभूमि न्यूज/सिहोरा/बोहानी।

इस बात से इंकार नही किया जा सकता है कि सरकार द्वारा रेल्वे लाईनों को पार करने के लिये जहां तहां रेल्वे गेंट लगाते हुये उन्हें खोलने व बंद करने के लिये अपनी कर्मचारियों को नियुक्त किया गया है, जिससे किसी भी ट्रेन के आने के पहले वह रेल्वे गेंटों को बंद करते हुये लोगों को इस बात के लिये सचेत कर सके कि वह रेल पटरी को पार न करे। मगर इसके बाद भी जिस प्रकार से पढ़े लिखे हुये लोगों को रेल्वे गेंट बंद रहने के बाद भी वह अपने वाहनों सहित रेल्वे गेटों के नीचे से वाहन निकालते हुये देखे जाते है निश्चित तौर इस तरह की हरकत खुद की जिन्दगी को खतरे में डालने के साथ युवा पीढ़ी को भी इस प्रकार से नियम विरूद्व कार्य करने के लिये प्रेरित करने से नही चूक रहे है? चंद मिनिट रूकने की जगह उनके द्वारा की जाने वाली यह हरकत निश्चित तौर से रेल प्रशासन के नियमों के विपरित होने के साथ साथ कुछ की जिन्दगी को खतरे में डालते हुये देखी जा रही है। इस बात की सच्चाई आये दिन गाडरवारा करेली के राष्ट्रीय स्तर के मार्ग पर पड़ने वाले मनकवारा रेल्वे गेट पर आये दिन देखने मिली है। बताया जाता है कि जब ट्रेन आने के कुछ मिनिट पूर्व रेल विभाग के कर्मचारियों द्वारा यहां की रेल पटरियों को पार करने से रोकने के लिये गेट को बंद कर दिया जाता है। मगर उस दौरान देखा जाता है कि अक्सर अनेक जागरूक माने जाने वाले पढ़े लिखे लोगों द्वारा जिस तरह अपनी मोटर साईकिलों को गेट के नीचे से निकलते हुये देखा जाता है उससे उनकी जिन्दगी तो खतरे में पड़ ही रही है साथ ही साथ उनके द्वारा शासन के नियमों की धज्जियाँ उड़ाते हुये की जाने वाली इस हरकत का निश्चित तौर से युवा पीढ़ी पर भी बुरा असर पड़ने से नही चूक पा रहा है? क्योंकि जब युवा वर्ग समझदार माने जाने वाले अपने अभिभावकों व वरिष्ठजनों की इस हरकत तो देखते हुये उन्हें बंद रेल्वे गेट के बाद भी अपने वाहनों सहित पटरी पार करते हुये देखते है तो उनके दिलों में इस प्रकार से नियमों की धज्जियाँ उड़ाने की प्रेरणा घर कर जाती है और वह भी इसी प्रकार की कार्य प्रणाली को अपनाने से नही चूकते है जो एक दिन बड़ी घटना के रूप में सामने आती है? इस प्रकार से बंद रेल्वे गेट को अपने वाहनों सहित पार करने वालों के खिलाफ सख्त कार्यवाही होना चाहिये तभी लोगों द्वारा रेल विभाग के नियमों की धज्जियाँ उड़ाने वालों की इन हरकतों पर अंकुश लग पायेगा।

नगर में लगे हुये बिजली खम्बों को निजी कंपनी द्वारा उपयोग में लेते हुये दे दिया मकड़ी के जाल का स्वरूप, बन रही दुर्घटनाओं की संभावना..?

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। इन दिनों शहर के मुख्य मार्गो से लेकर कालोनियों में बिजली विभाग द्वारा स्थापित किये गये विद्युत सप्लाई व्यवस्था के खम्बों पर जिस तरह निजी कंपनी द्वारा अपनी लाईन डाली गई है उसके चलते जहां इन बिजली खम्बों का स्वरूप मकड़ी के जाल की भाँति बन चुका है। मगर हैरत की बात है कि इसको लेकर बिजली विभाग के अधिकारियों की चुप्पी पर सबाल खड़े होने से नही चूक रहे है? इस तरह सरकारी बिजली खम्बों पर डाली गई केबिल में निजी कंपनी का मार्का अंकित होने से यह अनुमान लग रहा है कि शायद निजी कंपनी द्वारा अपने संचार व्यवस्था के लिये इन सरकारी खम्बों का उपयोग किया जा रहा है..? मगर बिजली विभाग द्वारा स्थापित किये गये यह खम्बे जहां शासकीय संपत्ति माने जाते है और उनका उपयोग सिर्फ बिद्युत व्यवस्था के लिये उपयोग करना बताया जाता है..? मगर इसके बाद भी जिस तरह से निजी कंपनी द्वारा इन खम्बों का उपयोग करने के लिये खम्बों के ऊपर चढ़कर जहां अपनी सामग्री फिट करते हुये उनके ऊपर अपनी केबिल डालने का कार्य करते हुये उन्हें मकड़ी के जाल की भांति बना दिया गया है, इससे निश्चित तौर से नगर में विद्युत उपभोक्ताओं के लिये जहां परेशानी का सामना करने के लिये मजबूर होना पड़ेगा तो दूसरी ओर निजी कंपनी द्वारा डाली इन केबिल में इतनी ढील देखी जा रही है जिसके चलते नगर की कालोनियों व मुहल्लो में जब कोई वाहन प्रवेश करेगा तो वह फंसने से नही बच पायेगा? इस स्थिति में निश्चित तौर से आये दिन बिद्युत सप्लाई व्यवस्था में बांधा पहुंचने की संभावना से इंकार नही किया जा सकता है? वैसे भी देखा जावे तो नगर के अंदर लगे हुये बिजली खम्बों की हालत यह बनी है कि वह पहले से ही विद्युत लाईनों के चलते मकड़ी के जाल के समान बने हुये है और उसी के ऊपर से इस नई लाईन के डाले जाने से विकट स्थिति बनने से नही चूक पा रही है? मगर खुलेआम बिजली खम्बों का निजी कंपनी द्वारा उपयोग किये जाने के बाद भी बिजली विभाग के अधिकारियों की चुप्पी निश्चित तौर से अनेक सबाल खड़े करने से नही चूक रही है..? कही ऐसा तो नही कि बिजली विभाग के अधिकारियों द्वारा लक्ष्मी जी के आर्शीवाद के चलते आपसी समझौता करते हुये इन्हे शासकीय संपत्ति का उपयोग करने के लिये चूप चाप तरीके से अनुमति प्रदान कर दी गई हो..? खैर सच्चाई जो भी हो उसे तो भगवान ही जाने। मगर इस तरह शासकीय संपत्ति का निजी कंपनी द्वारा उपयोग करने के साथ बिद्युत सप्लाई खम्बों पर डाली गई इन लाईन से नगरवासियों के लिये परेशानी का कारण साबित होने से नही चूक पा रही है तो दूसरी ओर आये दिन केबिलों में आग लगने की संभावना बनते हुये दिखाई देने से नही चूक रही है।

सड़क सोल्डर में नहीं किया जा रहा सुधार, आये दिन हो रही दुघटनाएं

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा।

इस समय देखा जा रहा है कि सड़को पर बढ़ रहे यातायात के चलते आये दिन दुघर्टनाएं घटित होना आम बात है, और यदि सड़को में गड्बडी हो तो निश्चित तौर से घटनाओं में इजाफा होना आम बात मानी जाती है। कुछ इसी प्रकार की स्थिति इस समय गाडरवारा कौड़िया मार्ग पर देखने मिल रही है, जहां पर वाहनों का आवागमन निरंतर बना रहता है, इस सड़क मार्ग के दोनों तरफ के सोल्डर जमीन से ऊंचे हो गये है एवं सोल्डर के बाजू में बड़े बड़े पत्थर पड़े रहते है साथ ही गड्ढे भी बन गऐ है, सड़क सोल्डर परेशानी का सबब बन गए है। वाहन क्रासिंग के समय इन सोल्डरों के कारण वाहन चालको को परेशानी का सामना करना पड़ता है। वहीं छोटे वाहन चालक साइड देने के चक्कर में अपने वाहन सड़क से नीचे उतार लेते है जब वह सड़क पर अपने वाहन चढ़ाते है तो सोल्डर और गड्ढो के कारण उन्हे दुर्घटना का शिकार होना पड़ता है, पौड़ार तिरहा से लेकर गाडरवारा तक सड़क के दोनों ओर बड़ी बेकार स्थिति बनी हुई है जिसके कारण आये दिन सोल्डरो से कोई न कोई दुर्घटना होती है, सड़क निर्माण के साथ सोल्डर के बाजू की सतह सड़क से मिलायी जाती है जिससे की वाहन आसानी से सड़क से नीचे उतर कर पुनः सड़क पर आसानी से पहुंच सके। लेकिन इस मार्ग पर सोल्डरो को बाजू की सतह से नहीं मिलाया गया है जबकि निर्माण एजेंसी की जबाबदारी होती है कि वह सड़क से दोनों ओर सोल्डरों के बाजू में मिट्टी का पुराव कर उसे समतल करे लेकिन संबंधित निर्माण एजेंसी द्वारा इस कार्य पर ध्यान नहीं दिया गया जिसके चलते इतनी विकराल समस्या यहां पर खड़ी हो गई है, शीघ्र ही इस समस्या का हल किया जाये ताकि वाहन चालको को जो परेशानी हो रही है।

शासन की जननी योजना हुई फेल

हरिभूमि न्यूज/खुलरी। शासन द्वारा जच्चा बच्चा की रक्षा की मंशा को ध्यान में रखते हुए कुछ वर्ष पहले शासकीय अस्पताल मे सुरक्षित प्रसव कराने के लिए ग्रामीण अंचलों की गर्भवती महिलाओं को शासकीय अस्पताल तक निःशुल्क पहुंचाने हेतु जननी एक्सप्रेस योजना लागू की गई है, लेकिन यह योजना अब ग्रामीण क्षेत्र मे दम तोड़ती नजर आ रही है? क्योकि जिला एवं तहसील अस्पताल मे दूरस्थ ग्रामीण अंचलों से प्रसव कराने पहुंच रही अधिकांश महिलाओं मोटी रकम देकर स्वयं के खर्चे वाहन की व्यवस्था करना पड़ता है। हितग्राहियों की हमेशा यही शिकायत रहती है कि बार बार जननी एक्सप्रेस को फोन लगाने पर या फोन उठाया ही नही जाता या अगर उठाया भी जाता है कि वाहन कही और दूसरी गर्भवती महिला को लाने गया है का बहाना बताया जाता है, इस तरह से मजबूरी मे लोगों को निजी वाहन करके अस्पताल आना पड़ता है। नही हुए सार्थक प्रयास-प्राप्त जानकारी के अनुसार गाडरवारा तहसील स्तर की शासकीय अस्पाताल होने के कारण इस क्षेत्र में तीनो ब्लाक सांईखेड़ा, चावरपाठा व चीचली आते है, जिसमें प्रमुख रूप से देखा जावे तो यदि कोई व्यक्ति मौरझिर, घघरोला, पटना, सूरना, करहैया से गाडरवारा जाने के लिए इस जननी एक्सप्रेस का लाभ लेना चाहता है तो उसे कह दिया जाता है कि उसे गाडरवारा से यह सुविधा मिलना मुश्किल है।

आखिरकार पंचायतों में जनप्रतिनिधि बनते ही क्यों बदल जाते हैं उनके तेवर?

हरिभूमि न्यूज/ सालीचौका।

वर्तमान परिवेश यदि ग्रामीण अंचल के जनप्रतिनिधियों में पंचायत स्तर के प्रमुख माने जाने वाले जनप्रतिनिधियों की बात करे तो निश्चित ही जनप्रतिनिधि बनने के बाद जिस प्रकार से चंद वर्षो के बाद उनके परिवेश में बेतहाशा बदलाब देखने को मिल रहा है उससे पंचायतों में आम जनता का विकास होने की जगह उनके विकास की सच्चाई उजागर होने से नही बच पा रही है? यदि इनकी सच्चाई पर गौर किया जावे तो क्षेत्र की अनेक ग्राम पंचायतों के पंचायत जनप्रतिनिधि जो खेतों में हल जोतने के आलवा दिन भर मेहनत मजदूरी करके अपना भरण पोषण करते हुए देखे जाते थें जिन्हें बीते हुये पांच वर्ष पहले जिस तरह से पंचायत स्तर पर जब प्रतिनिधि की कुर्सी मिलने के बाद उन ग्रामों के पंचयात स्तर या फिर अन्य प्रमुख पदो पर पहुंचतें ही कायाकल्प हो जाती है? क्योंकि वह पहले जहां कच्चे खपरैल वाले मकानों में रहने से लेकर दूर दराज के गांवों तक जाने के लिए वाहन के नाम पर मात्र एक मामूली से साईकिल पर ही आश्रित रहतें थें वह आज चंद वर्षो में ही अपनी खेती बाड़ी में प्रकृति की मार झेलते हुए उनके दिन जिस प्रकार से बदले हुए दिखाई दे रहे है जो सिर्फ चर्चा का विषय ही नही बल्कि उनकी आये की सच्चाई को जांच करने की ओर संकेत देने से नही चूक पा रही है? क्योंकि अनेक पंचायतों में देखा गया था कि जहां वह शुरूआती तौर में साईकिलों के माध्यम से अपनी जीविका चला रहे थें मगर वह वह दो पाहिया गाड़ी तो छोटी बात है चार पहिया चमचमाती गाडी घर के सामने खड़ी हुई दिखाई देने से नही चूक पा रही है? यदि इस सच्चाई पर गौर किया जावे तो शासन प्रशासन द्वारा ग्रामीणो के हित के लिए कई योजनाएं व सुविधा मुहैया कराई जाती है जिसका लाभ शायद उन पात्र हितग्राहियों की जगह कही और जाते हुए दिखाई दे रहा है और शायद इसी का परिणाम है कि इन पंचायत स्तरीय जनप्रतिनिधियों के आये दिन सुख सुविधा के साधन बदल रहे है? इस संबंध में जब ग्रामीण क्षेत्रो का रूख करते है तो खुलेआम ग्रामीणों द्वारा कहा जाता है कि सरपंच जी से हमारे प्रारम्भ से ही घरेलू संबंध थें किन्तु उनके पंचायत के जनप्रतिनिधि बनतें ही श्रीमान जी के तेवर कुछ बदल से गए? वही जिन पंचयतों में महिला जनप्रतिनिधि है वहां के लोगों के मुंह से तो यह तक सुना जाता है कि बा भौजी तो पहले सी ऐसई थी और अब भी एसई है, मनों जब से भौजी पंचायत की जनप्रतिनिधि बनी है तब से भैया के मन जलबे है, अब बे तो भौजी के पद पर खुदई भैया मजा कर रहे है? कोई समस्या पूछनें या बताने पर सीधें मुह बात नही करतें और न ही किसी योजना की जानकारी देते? इतना ही नही उनके रहन सहन, घर- द्वार, ठाट- बाट, आवागमन की पर्याप्त सुविधा, पूरे खेत खलिहानो में अपने जनप्रतिनिधि बनने के चंद वर्ष के बाद ही परिवर्तन नजर आने लगता है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई बीते हुये पांच वर्षो में देखने मिल चुकी है और शायद वह अपनी कुर्सी के मोह में फंस जाने के कारण उसे छोड़ना नही चाह रहे है जिसके चलते पुराने आरक्षण में चुनाव होने की घोषणा ने निश्चित ही इन सरपंचो की पोह बारह करने में कोई कसर नही छोड़ी गई है।

शहपुरा उपार्जन केंद्र की अव्यवस्था से सड़क तक पहुंची वाहनों की कतार

एंट्री बंद होने से घंटों बाधित रहा यातायात, एसडीएम ने मौके पर पहुंचकर संभाली व्यवस्था

डिंडौरी जिले के शहपुरा उपार्जन केंद्र में बुधवार को अव्यवस्था का बड़ा मामला सामने आया। केंद्र के भीतर अनाज से भरे वाहनों की एंट्री रोक दिए जाने के कारण ट्रैक्टर ट्रॉलियों और मालवाहक वाहनों की लंबी कतार सड़क तक पहुंच गई।

शहपुरा।

स्थिति ऐसी बनी कि मार्ग के दोनों ओर यातायात प्रभावित होता रहा और आम लोगों को भी आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।बताया गया कि बड़ी संख्या में किसान समर्थन मूल्य पर उपज विक्रय करने के लिए सुबह से ही उपार्जन केंद्र पहुंच गए थे। लेकिन केंद्र के भीतर पर्याप्त व्यवस्थाएं नहीं होने और वाहनों की धीमी निकासी के चलते बाहर लंबा जाम जैसी स्थिति निर्मित हो गई। कई किसान और वाहन चालक घंटों अपनी बारी का इंतजार करते रहे।मामले की जानकारी मिलते ही एसडीएम शहपुरा मौके पर पहुंचे और व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने उपार्जन केंद्र प्रभारी को तत्काल व्यवस्था दुरुस्त करने के निर्देश दिए। एसडीएम ने वाहन चालकों को टोकन वितरित कर क्रमवार खरीदी सुनिश्चित करने के आदेश दिए ताकि अनावश्यक भीड़ और अव्यवस्था पर नियंत्रण किया जा सके।

इसके साथ ही किसानों और वाहन चालकों के लिए पेयजल तथा छाया की समुचित व्यवस्था करने के निर्देश भी प्रशासन द्वारा दिए गए। प्रशासनिक हस्तक्षेप के बाद धीरे धीरे स्थिति सामान्य होने लगी और वाहनों को क्रमवार केंद्र के भीतर प्रवेश दिया जाने लगा।हालांकि किसानों ने नाराजगी जताते हुए कहा कि उपार्जन केंद्रों में पहले से बेहतर प्रबंधन होना चाहिए ताकि किसानों को घंटों इंतजार और अव्यवस्था का सामना न करना पड़े।

खबर संक्षेप

जिला शिक्षा केंद्र डिंडौरी को मिले नए परियोजना समन्वयक

डिंडौरी। मध्यप्रदेश शासन के स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा जारी प्रशासनिक आदेश के तहत जिला शिक्षा केंद्र डिंडौरी में नए जिला परियोजना समन्वयक की नियुक्ति की गई है। सतना से स्थानांतरित होकर आए उच्च माध्यमिक शिक्षक दिवाकर तिवारी को डिंडौरी का नया डीपीसी बनाया गया है। मंत्रालय वल्लभ भवन भोपाल से जारी आदेश के अनुसार यह पदस्थापना तत्काल प्रभाव से आगामी आदेश तक लागू रहेगी। विभागीय अधिकारियों के अनुसार इस निर्णय से जिले की शिक्षा व्यवस्था और प्रशासनिक समन्वय को और अधिक मजबूती मिलेगी।दिवाकर तिवारी के पदभार ग्रहण करने के बाद शिक्षा विभाग की गतिविधियों में तेजी आने की संभावना जताई जा रही है। अध्यापक शिक्षक संयुक्त मोर्चा के संभागीय अध्यक्ष राम कुमार गर्ग ने उन्हें शुभकामनाएं देते हुए नई जिम्मेदारी के लिए बधाई प्रेषित की है।

डैम घाट में नाव संचालकों को सुरक्षा नियमों का सख्ती से पालन करने के निर्देश

डिंडौरी। कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया के निर्देशानुसार वाटर टूरिज्म गतिविधियों को सुरक्षित और सुव्यवस्थित बनाए रखने के उद्देश्य से डैम घाट डिंडौरी में नाव संचालकों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रशासन द्वारा सुरक्षा संबंधी आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए।मुख्य नगर पालिका अधिकारी अमित तिवारी ने सभी नाव संचालकों को अपनी नावों का अनिवार्य रूप से पंजीयन कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक नाव में पर्याप्त संख्या में लाइफ सेफ्टी जैकेट ट्यूब तथा अन्य जरूरी सुरक्षा उपकरण उपलब्ध रहना चाहिए ताकि आपात स्थिति में तुरंत बचाव कार्य किया जा सके।बैठक में यह भी स्पष्ट किया गया कि तेज हवा खराब मौसम अथवा प्रतिकूल परिस्थितियों में किसी भी स्थिति में नावों का संचालन नहीं किया जाएगा। प्रशासन ने पर्यटकों और स्थानीय नागरिकों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए कहा कि सुरक्षा मानकों का उल्लंघन पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

हरी झण्डी दिखा कर प्रचार रथ को किया रवाना

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। म0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार तथा राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली के अनुसार मार्गदर्शन में 09 मई को आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत के व्यापक प्रचार-प्रसार हेतु 07 मई को प्रधान जिला न्यायाधीश अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अनूपपुर श्रीमती माया विश्वलाल द्वारा हरी झण्डी दिखा कर प्रचार रथ को रवाना किया। उक्त प्रचार रथ के माध्यम से अनूपपुर जिले के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में जाकर नेशनल लोक अदालत के लाभों के संबंध में जागरूक किया जावेगा। इस अवसर पर नरेन्द्र पटेल प्रथम अपर जिला न्यायाधीश नोडल अधिकारी, श्रीकृष्ण डागलिया तृतीय अपर जिला न्यायाधीश, श्रीमती चौनवती ताराम मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, रावेन्द्र कुमार सोनी व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठखण्ड एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अनूपपुर, सुश्री सुधा पाण्डेय न्यायाधीश, बॉबी सोनकर न्यायाधीश, सुश्री सृष्टि साहू न्यायाधीश, बृजेश पटैल जिला विधिक सहायता अधिकारी, संतदास नापित चीफ लीगल एड डिफेंस काउंसिल अनूपपुर, रामकुमार राठौर सचिव जिला अभिभाषक संघ सहित न्यायालय के अधिकारी कर्मचारीगण, डिफेंस काउंसेल्स एवं अधिवक्तागण एवं पक्षकारगण उपस्थित रहें।

खनिज रेत का अवैध परिवहन करने पर 2 वाहन जब्त

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। कलेक्टर हर्षल पंचोली के निर्देशन में खनिज विभाग अनूपपुर द्वारा तहसील पुष्पराजगढ के ग्राम अमगवां तथा तहसील जैतहरी के ग्राम खोडरी में खनिज रेत का अवैध परिवहन करने पर वाहन 2 मेटाडोर को जप्त कर वाहन स्वामियों के विरुद्ध नियमानुसार प्रकरण दर्ज कर कलेक्टर न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

रेड क्रॉस सोसाइटी ने वृद्धाश्रम में किया फलों का वितरण

डिंडौरी।

भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी के तत्वावधान में चल रहे रेड क्रॉस सप्ताह के अंतर्गत साकेत नगर स्थित वृद्धाश्रम में फल वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान रेड क्रॉस के पदाधिकारियों और समाजसेवियों ने वृद्धजनों को फल वितरित कर उनका कुशलक्षेम जाना तथा उनके साथ समय बिताया।कार्यक्रम में रेड क्रॉस सोसाइटी के चेयरमैन नरेंद्र सिंह राजपूत ने कहा कि रेड क्रॉस सप्ताह का उद्देश्य समाज में सेवा सहयोग और मानवता की भावना को बढ़ावा देना है। उन्होंने कहा कि वृद्धाश्रम में रह रहे बुजुर्गों की आवश्यकताओं को समझना और उन्हें सहयोग प्रदान करना संस्था की प्राथमिकता है। बुजुर्गों के बीच पहुंचकर फल वितरण करने से सभी को आत्मिक संतोष और आनंद की अनुभूति हुई। उन्होंने कहा कि पीड़ित मानवता की सेवा ही रेड क्रॉस सोसाइटी का मुख्य उद्देश्य है और संस्था डिंडौरी जिले में लगातार सक्रियता के साथ कार्य कर रही है।इस अवसर पर वृद्धाश्रम में रह रहे बुजुर्गों ने भी प्रसन्नता व्यक्त करते हुए रेड क्रॉस सोसाइटी के प्रति आभार जताया। कार्यक्रम के अंत में समाज सेवा के ऐसे कार्य निरंतर जारी रखने का संकल्प लिया गया।कार्यक्रम में सचिव प्रवीण दास कोषाध्यक्ष सचिन जैन महेश धूमकेती पवन शर्मा परशराम नागेश स्कंद चौकसे अविनाश छावड़ा राजेंद्र परमार तथा संचालक नोखेलाल यादव सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

जिला पंचायत सीईओ की अध्यक्षता में " वॉश ऑन व्हील " प्रशिक्षण संपन्न

डिंडौरी ।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत डिंडौरी दिव्यांशु चौधरी की अध्यक्षता में "वॉश ऑन व्हील" प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में स्वच्छ भारत मिशन जल जीवन मिशन तथा लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अधिकारी और कर्मचारी शामिल हुए।प्रशिक्षण के दौरान स्वच्छता साथियों के माध्यम से गांवों में स्वच्छता और पेयजल व्यवस्था को बेहतर बनाने संबंधी जानकारी दी गई। प्रतिभागियों को पानी की टंकियों की साफ सफाई नल मरम्मत और सफाई संस्थागत शौचालयों की स्वच्छता तथा पेयजल गुणवत्ता जांच की प्रक्रिया का प्रशिक्षण दिया गया।कार्यक्रम में जल परीक्षण की विधि और सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने के लिए जरूरी सावधानियों की जानकारी भी साझा की गई। प्रशिक्षण का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता और सुरक्षित पेयजल के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा कर्मचारियों को तकनीकी रूप से दक्ष बनाना रहा।

संस्कार विधि स्नातकोत्तर महाविद्यालय में सम्पन्न हुआ विधिक जागरूकता शिविर

हरिभूमि न्यूज<अनूपपुर।

प्रधान जिला न्यायाधीश अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अनूपपुर श्रीमती माया विश्वलाल के मार्गदर्शन में 07 मई को जागृति जागरूकता शिविर के उपलक्ष्य में जिला विधिक सेवा प्रारिधकरण अनूपपुर द्वारा संस्कार लॉ महाविद्यालय में एक विशेष विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से न्यायाधीश सचिव जिवि सेप्रा. रावेन्द्र कुमार सोनी, न्यायिक मजिस्ट्रेट सुश्री सृष्टि साहू, असिस्टेंट डिफेंस काउंसिल अनूपपुर आयुष सोनी एवं महाविद्यालय के संचालक नवोद चपरा के द्वारा विद्यार्थियों को संबोधित किया गया। कार्यक्रम के दौरान न्यायाधीश श्री सोनी ने जिला जेल में निरुद्ध विचाराधीन एवं बंदी कैदियों को प्रदान की जाने वाली सुविधाओं पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए बताया, कि मानवाधिकारों का संरक्षण प्रत्येक कैदी का मूल अधिकार है तथा उनके साथ किसी भी प्रकार का अमानवीय व्यवहार नहीं किया जाता, और जिला जेल अनूपपुर में कैदियों को शिक्षा भी दी जाती है और स्वास्थ संबंधी समस्त सुविधाओं का ध्यान रखा जाता है। बंदियों को किसी प्रकार की कोई सम्मस्या होती है तो हमारे डिफेंस अधिवक्ता जो अपने निर्धारित दिनों में जाते है। उनको समस्यों या मुक्दमों की जानकारी प्राप्त कर लेते है इस विषय पर महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा कई जिज्ञासापूर्ण प्रश्न पूछे गए जिनका न्यायिक अधिकारियों द्वारा संतोषजनक उत्तर देकर समाधान किया गया। इसी क्रम में न्यायिक मजिस्ट्रेट सूश्री सृष्टि साहू द्वारा पॉक्सो अधिनियम एवं अन्य विधिक प्रावधानों के संबंध में विद्यार्थियों को जागरूक करते हुए बताया गया कि विधि छात्र भविष्य में अधिवक्ता बनकर वकालत करने जायेगें ऐसे अधिवक्ता समाज के शिक्षित एवं जिम्मेदार नागरिक भी होते है। उन्होंने विद्यार्थियों को कानून एवं नियमों के पालन के प्रति सजग रहने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम में न्यायाधीश श्री सोनी द्वारा यह आश्वासन दिया गया कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण निरंतर विधिक विद्यार्थियों के साथ खडा रहेगा तथा भविष्य में भी ऐसे जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहेंगे जिससे छात्र-छात्राएं विधिक जानकारी प्राप्त कर समाज में जागरूकता फैला सकें। साथ ही उन्होंने बताया कि किसी भी प्रकार की निःशुल्क विधिक सहायता हेतु राष्ट्रीय टोल फ्री नंबर 15100 पर संपर्क किया जा सकता है। अंत में महाविद्यालय के संचालक द्वारा सभी अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए पुनः आमंत्रित किया गया तथा यह विश्वास दिलाया गया कि महाविद्यालय परिवार भविष्य में भी न्यायालय एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा संचालित प्रत्येक जनजागरूकता अभियान एवं योजनाओं में पूर्ण सहयोग प्रदान करेगा।

डिंडौरी के खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय पिट्ठू प्रतियोगिता में लहराया परचम, देशभर में बढ़ाया जिले का मान

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी ।

भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत में पारंपरिक खेलों का विशेष महत्व रहा है। ये खेल केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि अनुशासन, टीम भावना, सौहार्द और सामूहिक चेतना को मजबूत करने का सशक्त माध्यम भी हैं। देश में पारंपरिक खेलों के संरक्षण और पुनर्जीवन की दिशा में प्रधानमंत्री के नेतृत्व में लगातार सार्थक प्रयास किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में गुजरात के सूरत में आयोजित तीसरी सब जूनियर एवं जूनियर नेशनल पिट्ठू चैंपियनशिप (बालक एवं बालिका) में मध्यप्रदेश सहित देशभर के खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

'पिट्ठू फेडरेशन ऑफ गुजरात' द्वारा आयोजित इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता में पिट्ठू फेडरेशन ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं मध्यप्रदेश शासन के कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए विजेता टीमों को पुरस्कृत किया और पारंपरिक खेलों को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर बल दिया।पिट्ठू एसोसिएशन डिंडौरी के सचिव धर्मेंद्र मार्को ने जानकारी देते हुए बताया कि जिले से 9 छात्र-छात्राओं ने ट्राइबल वेलफेयर पिट्ठू एसोसिएशन भारत के माध्यम से राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भाग लिया। जूनियर बालक वर्ग की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए लीग मुकाबलों में दिल्ली और उत्तराखंड की टीमों को हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। इसके बाद हार्ड लाइन मुकाबले में उत्तरप्रदेश को पराजित कर राष्ट्रीय स्तर पर तीसरा स्थान हासिल कर जिले का नाम रोशन किया।

डिंडौरी जिले से दिलसान निगुनिया, तेजनारायण टेकाम, नरेंद्र परते और विनोद धुर्वे टीम के प्रमुख खिलाड़ी रहे। सभी खिलाड़ी राजा शंकर शाह रघुनाथ शाह बालक छात्रावास खुड़िया, समनापुर में रहकर अध्ययन कर रहे हैं। खिलाड़ियों की इस उपलब्धि से जिले में खुशी का माहौल है और खेल प्रेमियों में उत्साह देखने को मिल रहा है।स्थानीय लोगों एवं खेल प्रेमियों ने खिलाड़ियों की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि सीमित संसाधनों के बावजूद आदिवासी अंचल के बच्चों ने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा साबित कर डिंडौरी जिले को गौरवान्वित किया है।

मां नर्मदा के आशीर्वाद के साथ भारती ने संभाला विकास प्राधिकरण अध्यक्ष पद का कार्यभार

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक।

पवित्र तीर्थनगरी अमरकंटक में 7 मई गुरुवार को अमरकंटक विकास प्राधिकरण के नवनियुक्त अध्यक्ष राजेंद्र भारती ने विधिवत पदभार ग्रहण किया। अमरकंटक विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं पुष्पराजगढ़ अनुविभागीय अधिकारी राजस्व वसीम अहमद भट्ट ने उन्हें औपचारिक रूप से कार्यभार ग्रहण कराया। पदभार ग्रहण करने से पूर्व राजेंद्र भारती ने विश्व प्रसिद्ध आस्था केंद्र श्री नर्मदा मंदिर में विधि-विधान से विशेष पूजन-अर्चन कर मां नर्मदा का आशीर्वाद प्राप्त किया। उन्होंने प्रदेश एवं क्षेत्र की सुख-समृद्धि, विकास और जनकल्याण की कामना करते हुए सेवा एवं समर्पण भाव से कार्य करने का संकल्प लिया। इसके पश्चात उन्होंने अपने कार्यालय कक्ष में भी भगवान का पूजन-अर्चन किया। धार्मिक अनुष्ठान के बाद अमरकंटक विकास प्राधिकरण कार्यालय में आयोजित गरिमामयी समारोह में उन्होंने विधिवत पदभार संभाला। इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, प्रशासनिक अधिकारियों एवं बड़ी संख्या में उपस्थित नागरिकों ने पुष्पगुच्छ एवं माल्यार्पण कर उनका आत्मीय स्वागत किया। पूरे कार्यक्रम में उत्साह और उल्लास का वातावरण बना रहा। अपने संबोधन में राजेंद्र भारती ने कहा कि अमरकंटक केवल एक नगर नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति, आध्यात्मिक चेतना एवं प्रकृति का अद्भुत संगम है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के धार्मिक, सांस्कृतिक एवं पर्यटन महत्व को ध्यान में रखते हुए समग्र विकास के लिए प्राथमिकता के आधार पर कार्य किए जाएंगे। अमरकंटक को स्वच्छ, व्यवस्थित, सुंदर एवं पर्यटन की दृष्टि से और अधिक विकसित बनाने हेतु जनसहभागिता के साथ योजनाएं संचालित की जाएंगी। उन्होंने यह भी कहा कि स्थानीय नागरिकों की अपेक्षाओं एवं सुझावों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी तथा विकास कार्यों में पारदर्शिता और गुणवत्ता सुनिश्चित की जाएगी। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने विश्वास व्यक्त किया कि राजेंद्र भारती के नेतृत्व में अमरकंटक विकास की नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेगा तथा क्षेत्र की सांस्कृतिक गरिमा और मूल पहचान को संरक्षित रखते हुए आधुनिक सुविधाओं का विस्तार होगा। इस अवसर पर रामलाल रौतेल, वसीम अहमद भट्ट, पार्वती सिंह, कमल प्रताप सिंह, आशुतोष अग्रवाल, मिथिलेश पयासी, रामगोपाल द्विवेदी, रोशन पनारिया, धनेश द्विवेदी, अंजना कटारे, भानु प्रसाद सेन तथा ज्ञान दास पनिका सहित सैकड़ों भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम को रामगोपाल द्विवेदी, मिथिलेश पयासी, रामलाल रौतेल तथा राजेंद्र भारती ने संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन सूरज साहू ने किया।

हरिभूमि
नर्मदा भूमि
[करेली | तेंदूखेड़ा | श्रीधाम | सालीचौका | सुआतला | गाडरवारा | राजमार्ग | साईंखेड़ा | चीचली | करकबेल]

जबलपुर, शुक्रवार 8 मई 2026
login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

डिप्टी कलेक्टर सुश्री शानु चौधरी को तेंदूखेड़ा में किया पदस्थ

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने पूर्व में जारी आदेश में आंशिक संशोधन करते हुए (परिवीक्षाधीन) डिप्टी कलेक्टर सुश्री शानु चौधरी को अपने कार्य के साथ- साथ आगामी आदेश तक अस्थाई तौर पर तहसीलदार तेंदूखेड़ा के पद में पदस्थ करने के आदेश जारी किए हैं। पूर्व में इमरान मंसूरी को प्रभारी तहसीलदार के रूप में पदस्थ किया गया था। इमरान मंसूरी प्रभारी तहसीलदार वृत्त चांवरपाठा के साथ-साथ तहसील तेंदूखेड़ा के आहरण संवितरण के अधिकार यथावत रहेंगे।

जिला स्तरीय टास्क फोर्स समिति की बैठक 11 को

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। प्रभारी अधिकारी खनिज शाखा नरसिंहपुर ने बताया कि जिला स्तरीय टास्क फोर्स समिति की मासिक बैठक 11 मई 2026 को टीएल मीटिंग के बाद कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित की जाएगी। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को उक्त बैठक में उपस्थित रहने का आग्रह किया है।

महाआरती और विशाल भंडारा, श्रद्धालुओं से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील

हरिभूमि न्यूज सिवनी। नगर स्थित प्राचीन श्री शनि मंदिर, रेलवे क्रॉसिंग छिंदवाड़ा रोड पर प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी श्री शनि जयंती का भव्य आयोजन 16 मई को किया जाएगा। ज्येष्ठ मास कृष्ण पक्ष की उदया तिथि अमावस्या, भरणी नक्षत्र एवं शनिवार के शुभ संयोग में यह धार्मिक कार्यक्रम संपन्न होगा। कार्यक्रम की शुरुआत प्रातः पूजन-अर्चन एवं अभिषेक के साथ होगी। प्रातः 6 बजे से सहस्त्रधारा अभिषेक प्रारंभ होगा, जिसके पश्चात भगवान शनि देव का आकर्षक श्रृंगार कर आरती की जाएगी। सांयकालीन कार्यक्रम के अंतर्गत शाम 4 बजे हवन एवं महाआरती का आयोजन होगा। इसके बाद शाम 7 बजे से श्रद्धालुओं के लिए विशाल भंडारे की व्यवस्था की गई है। मंदिर आयोजक समिति ने नगर के सभी धर्मप्रेमी श्रद्धालुओं से विनम्र अनुरोध किया है कि अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर पुण्य लाभ अर्जित करें।

ज्ञान भारतम पाण्डुलिपि मिशन' के अंतर्गत विशेष सर्वेक्षण अभियान शुरू

हरिभूमि न्यूज सिवनी। भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय द्वारा 'ज्ञान भारतम पाण्डुलिपि मिशन' के अंतर्गत जिले में पाण्डुलिपि सर्वेक्षण अभियान संचालित किया जा रहा है। इस अभियान का उद्देश्य निजी संग्रहों में सुरक्षित प्राचीन हस्तलिखित दस्तावेजों एवं अभिलेखों का संरक्षण एवं डिजिटाइजेशन करना है। अभियान के तहत ऐसे अभिलेख शामिल किए जा रहे हैं, जो लगभग 75 वर्ष या उससे अधिक पुराने (वर्ष 1930-40 या उससे पूर्व) हैं तथा भारतीय इतिहास, पत्राचार, शासकीय आदेश या साहित्यिक ग्रंथों से संबंधित हैं। इन दस्तावेजों का अवलोकन करने के बाद शासकीय कर्मचारी संबंधित व्यक्ति या संस्था के घर पहुंचकर ही सुरक्षित तरीके से डिजिटाइजेशन की प्रक्रिया पूर्ण करेंगे, जिससे मूल दस्तावेज को कहीं ले जाने की आवश्यकता नहीं होगी। जिला प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि यदि उनके पास इस प्रकार की कोई बहुमूल्य पाण्डुलिपि या अभिलेख उपलब्ध हैं, तो वे जिला स्तरीय कंट्रोल रूम के मोबाइल नंबर 7000478932 पर शीघ्र संपर्क करें। इससे न केवल उनकी धरोहर सुरक्षित होगी, बल्कि देश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण में उनका महत्वपूर्ण योगदान भी सुनिश्चित होगा।

मामला: शराब ठेकेदार का अपहरण व मारपीट

मुख्य आरोपी पुलिस की पकड़ से बाहर

पुलिस की कार्यप्रणाली पर उठ रहा सवाल

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। बीते दिनो जिले के थाना ठेमी में शराब कारोबारी के कार्यालय में घुसकर मारपीट कर अपहरण के मामले में पुलिस अन्य तीन आरोपियों को गिरफ्तार करने मे सफलता हासिल कर ली लेकिन पुलिस मुख्य आरोपी नहीं पहुंच सकी है। उक्त मामले को लेकर पुलिस की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उत्पन्न हो रहा है। वही उक्त घटना को लेकर ग्रामीणों मे भी रोष देखा जा रहा है। पुलिस मुख्य आरोपी की तलाश में जुटी हुई है। लेकिन सफलता प्राप्त नही हो पा रही है। वही पीड़ति शराब ठेकेदार का उपचार जारी है। अब देखना होगा कि पुलिस मुख्य आरोपी को पकड़ने मे कब तक सफलता हासिल कर पाती है। जिले में बढ़ते अपराध लोगों के लिए चिंता जनक होते जा रहे है।

सुस्त नजर आ रही पुलिस

ठेमी थाना क्षेत्र के अंतर्गत शराब ठेकेदार प्रदीप कौरव के अपहरण और बेरहमी से मारपीट के मामले में पुलिस की सुस्त

दो घटनाओं के बाद आबकारी विभाग भूमिका पर संदेह
शराब दुकान स्थानांतरित करने को लेकर हंगामा

रफ्तार अब जन-आक्रोश का कारण बनती जा रही है। घटना के कई दिन बीत जाने के बाद भी मामले का कथित मास्टरमाइंड दीपक लोधी पुलिस की गिरफ्त से बाहर है, जिससे स्थानीय प्रशासन और कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। सूत्रों और स्थानीय लोगों के अनुसार, जहाँ एक ओर पुलिस टीमें गठित कर जगह-जगह दबिश देने का दावा कर रही है, वहीं दूसरी ओर मुख्य आरोपी का अब तक न पकड़ा जाना पुलिस की खुफिया तंत्र की विफलता को दर्शाता है। फरियादी जयहिन्द सूर्यवंशी द्वारा नामजद रिपोर्ट दर्ज कराने के बावजूद, केवल एक आरोपी सोनू उर्फ सागर ठाकुर की गिरफ्तारी ही अब तक की एकमात्र उपलब्धि रही है।

दहशत बढ़ाने वायरल किया वीडियो

अपराधियों द्वारा मारपीट का वीडियो वायरल कर इलाके में जो दहशत फैलाई गई थी, उसका असर अब भी कम नहीं हुआ है। लोगों का कहना है कि अगर मास्टरमाइंड की गिरफ्तारी में और देरी होती है, तो इससे अपराधियों के हौसले और बुलंद होंगे। भारतीय न्याय संहिता की गंभीर धाराओं के तहत मामला दर्ज होने के बाद भी मुख्य आरोपी का फरार रहना पुलिस को चुनौती दे रहा है। लोगों का कहना कि आरोपियों द्वारा दहशत फैलाने के लिए मारपीट का वीडियो वायरल किया गया था। ज्ञात हो कि कुछ दिन पूर्व लाइसेंस शराब कारोबारी प्रदीप कौरव का अपहरण कर उन्हें सुनसान जगह पर ले जाकर निर्दयतापूर्वक पीटा गया था। इस पूरी घटना का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर प्रसारित किया गया था। पुलिस ने इस मामले में धारा 138, 296 (बी), 115 (2), 332 (सी) एवं 3 (5) बीएनएस के तहत केस दर्ज किया है। पुलिस उक्त मामले में सोनू उर्फ सागर ठाकुर, निवासी बौछार, अभिषेक लोधी पिता फूल सिंह लोधी, निवासी कंधरापुर, भरत लोधी पिता रोशन लाल लोधी, निवासी समनापुर को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया गया है।

पुलिस को चुनौती दे रहे आरोपी

ग्राम करकबेल में शराब कारोबारी प्रदीप कौरव के अपहरण और मारपीट के मामले में पुलिस की जांच तो आगे बढ़ी है, लेकिन मुख्य आरोपी अब भी कानून की पहुंच से दूर है। वायरल वीडियो में साफ दिख रहा है कि 4-5 हमलावर प्रदीप कौरव को जबरन एक कार में डालकर ले जा रहे हैं। गुंडागर्दी की हद तो तब पार हो गई जब कार के भीतर प्रदीप का चेहरा सीट की ओर दबाकर उसकी गर्दन दबोची गई और उसके साथ लगातार गाली-गलौज व मारपीट की गई। यह वीडियो चीख-चीख कर गवाही दे रहा है कि आरोपियों के मन में कानून का रत्ती भर भी खौफ नहीं है। पुलिस ने साक्ष्यों और पीड़ति के बयान के आधार पर गोपाल पटेल, दीपक लोधी, अभिषेक, सोनू ठाकुर, भरत लोधी सहित अन्य साथियों के खिलाफ अपहरण और मारपीट की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस मुख्य आरोपी को पकड़ने के लिए संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दी जा रही है। हालांकि, घटना के बाद से आरोपी फरार थे जिनमें तीन को गिरफ्तार किया जा चुका है लेकिन मुख्य आरोपी अब भी फरार है। दिनदहाड़े अपहरण और फिर चलती कार में मारपीट का वीडियो वायरल होना, पुलिस प्रशासन के लिए किसी चुनौती से कम नहीं है

कलेक्टर की अध्यक्षता में निर्माण कार्यों की समीक्षा बैठक सम्पन्न

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह की अध्यक्षता में गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में निर्माण कार्यों से जुड़े विभागों की संयुक्त समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। बैठक कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग, चिनकी बोरास बराज संयुक्त बहुउद्देशीय परियोजना, शक्कर पेंच लिंक संयुक्त परियोजना, मप्र सड़क विकास निगम लिमिटेड जबलपुर, लोक निर्माण विभाग (भवन) पीआईयू तथा मध्यप्रदेश ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण परियोजना इकाई नरसिंहपुर के कार्यों की समीक्षा की गई। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने निर्देश दिए कि सभी लंबित व प्रगतिरत निर्माण कार्यों को समय सीमा में पूर्ण करे। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्यों की लगातार मॉनिटरिंग की जाए। कलेक्टर श्रीमती सिंह ने लोक निर्माण विभाग के अंतर्गत गाडरवारा तेंदूखेड़ा से भैंसा मार्ग, पलोहा से काटजूनगर मार्ग, एनएच-44 से सतधारा मार्ग, खुलरी देगुवां मार्ग, पनागर से डुंगरिया मार्ग, सुपारी से सड़ूमर मार्ग तथा पिपरिया से इमलिया मार्ग सहित विभिन्न सड़कों निर्माण कार्यों के प्रगति की समीक्षा की। आयोजित बैठक में अवगत कराया गया कि राजस्व विभाग, स्कूल शिक्षा विभाग, विधि एवं विधायी विभाग, राज्य शिक्षा केन्द्र, उच्च शिक्षा विभाग तथा कौशल विकास विभाग के अंतर्गत कुल 25 निर्माण कार्य स्वीकृत हैं। कलेक्टर ने अप्रारंभ कार्यों को शीघ्र प्रारंभ करने तथा प्रगतिरत कार्यों को समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। बैठक में सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए विकास कार्यों में तेजी लाने और गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर खेत में जाकर ऑर्गेनिक पद्धति की खेती की प्रशंसा

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। जिले में किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग के द्वारा नवाचार करते हुए किसानों को लाभदायक खेती करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। विकासखंड गोटेगांव के ग्राम भड़री के किसान गोविन्द सिंह पटेल ने होलिस्टिक खेती (समन्वित खेती आईएफएस मॉडल) को अपनाकर सम्पन्न किसान बन गया है। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह बुधवार को किसान श्री पटेल के खेत में जाकर मछली पालन, पशु पालन और फलदार खेती का अवलोकन किया। कृषक श्री पटेल के खेत में देशी-विदेशी विभिन्न प्रकार के नस्लों के आम, ऑस्ट्रेलिया और जापान प्रजाति के आम देखे। कलेक्टर श्रीमती सिंह ने कृषक श्री पटेल को शासन की योजनाओं का लाभ लेकर समृद्ध किसान बनने पर बधाई दी। कृषक श्री पटेल ने बताया कि बलराम तालाब योजना के अंतर्गत उसने अपने खेत में तालाब का निर्माण किया है। तालाब के पानी का उपयोग सिंचाई के लिए भी किया जाता है। तालाब से ट्यूबवेल रिचार्ज हो रहे, जिससे पानी की समस्या नहीं है। उसने उद्यानिकी फसलों के अंतर्गत विदेशी किस्म के फल जैसे- आम, आंवला अमरूद, चीकू, जामुन, बेर, सेब का रोपण किया है। कृषक श्री पटेल ने दूध उत्पादन के लिए 8 मुर्रा भैंस, 8 साहिवाल एवं गिर गाय पाली है, जिनके दूध के विक्रय से उसे अतिरिक्त आय प्राप्त हो रही है। खेतों की मेढ़ों पर सागौन और सीताफल के पौधों का रोपण किया गया है। एक हेक्टेयर में आर्गेनिक खेती की शुरूआत की गई है। इस दौरान सीईओ जिला पंचायत गजेंद्र सिंह नागेश, उप संचालक कृषि मोरिस नाथ, परियोजना संचालक आत्मा आर.पी. झारिया, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी, कृषि विस्तार अधिकारी सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

कलेक्टर ने ग्राम सांकल में रात्रि चौपाल लगाकर ग्रामीणों से किया संवाद

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने बुधवार को जनपद पंचायत गोटेगांव के ग्राम सांकल में ग्राम चौपाल आयोजित कर ग्रामीणों से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनी और उनका निराकरण करने के लिए संबंधित अधिकारियों को दिशा निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन द्वारा शासकीय भूमि को अतिक्रमण से मुक्त किया गया है, उक्त शासकीय भूमि को संरक्षित रखा जाए। कहीं भी शासकीय भूमि पर अतिक्रमण किया जाता है, तो इसकी सूचना तत्काल दें, जिससे समय पर कार्यवाही की जा सके। आयोजित चौपाल कार्यक्रम में सीईओ जिला पंचायत गजेन्द्र सिंह नागेश, एसडीएम सुश्री संघमित्रा गौतम, तहसीलदार नीरज तखरिया, सीईओ जनपद सुश्री दीक्षा जैन सहित अन्य अधिकारी व ग्रामीण जन मौजूद थे। कलेक्टर श्रीमती सिंह ने रात्रि चौपाल कार्यक्रम में जनगणना 2027 के संबंध में ग्रामीणों को विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि जनगणना 2027 के लिए प्रगणकों एवं पर्यवेक्षक आपके घरों तक आएंगे, उनके द्वारा पूछे गए प्रश्नों का सही-सही उत्तर दें, जिससे सम्पूर्ण जानकारी सही-सही दर्ज की जा सके। उन्होंने नल-जल योजना के संचालन के संबंध में जानकारी ली। नलों में टोटी लगाने के निर्देश दिए, जिससे नल से जल व्यर्थ न बहे। उन्होंने भवन निर्माण के दौरान वॉटर हार्वेस्टिंग का निर्माण भी कराने को कहा। जिससे वर्षा का जल वॉटर हार्वेस्टिंग के माध्यम से भूमिगत हो सके। कलेक्टर श्रीमती सिंह ने कहा कि बीपीएल सूची से अपात्र व्यक्तियों के नाम काटे जाएं। उक्त सूची का ग्राम सभा में वाचन किया जाए। उन्होंने क्षतिग्रस्त माध्यमिक शाला सांकल की मरम्मत करने के लिए स्टीमेट बनाकर भेजने के निर्देश दिए।

आम से भरा ट्रक पलटा

सिवनी। जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग-44 पर गुरुवार सुबह आम से भरा एक ट्रक अनियंत्रित होकर सडक़ किनारे पलट गया। हादसा सोनाडोंगरी के पास सुबह करीब 10.30 बजे हुआ। राहत की बात यह रही कि दुर्घटना में कोई जनहानि नहीं हुई।
प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक ट्रक नागपुर से जबलपुर की ओर जा रहा था। तेज रफ्तार के कारण चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख पाया और ट्रक पलट गया।

सडक़ पर बिखरे आम

ट्रक पलटते ही उसमें भरे आम सडक़ पर फैल गए। हादसे के बाद कुछ देर के लिए हाईवे पर यातायात प्रभावित हो गया और वाहनों की लंबी कतार लग गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और सडक़ के एक हिस्से से यातायात शुरू कराया। बाद में क्रेन की मदद से ट्रक को हटाया गया और स्थिति सामान्य की गई।
स्थानीय लोगों का कहना है कि जिस जगह हादसा हुआ वहां हमेशा लोगों और वाहनों की आवाजाही रहती है। यदि उस समय आसपास लोग या वाहन होते तो बड़ा हादसा हो सकता था। पुलिस ट्रक चालक से पूछताछ कर रही है। शुरुआती जांच में हादसे की वजह तेज रफ्तार और वाहन का अनियंत्रित होना माना जा रहा है।

तेंदूखेड़ा में श्वेत क्रांति की सुगबुगाहट

8 डेरियों के माध्यम से खपता है प्रतिदिन 3000 लीटर दूध

तेंदूखेड़ा। इन दिनों तहसील मुख्यालय तेंदूखेड़ा सहित आसपास के क्षेत्रों में दुग्ध उत्पादन एक बड़े व्यवसाय के रूप में उभर रहा है। वर्तमान में क्षेत्र के 20से 25 गांवों से दूध एकत्रित कर लगभग 8 प्रमुख डेरियों के माध्यम से प्रतिदिन औसतन 3000 लीटर दूध की खपत और आपूर्ति हो रही है।दूध ही नहीं बल्कि पनीर दही छांछ और घी भी बड़ी मात्रा में सैल होता है।जानकारों का मानना है कि यदि शासन की महत्वाकांक्षी योजनाओं को जमीनी स्तर पर प्रभावी ढंग से लागू किया जाए तो न केवल पशुपालकों की आय दोगुनी होगी बल्कि उपभोक्ताओं को भी शुद्ध और उचित दर पर दूध उपलब्ध हो सकेगा।

योजनाओं का अभाव निजी हाथों में कमान

वर्तमान में तेंदूखेड़ा में दूध का बड़ा हिस्सा निजी डेरियों के माध्यम से संचालित हो रहा है। यहां पर साइबाल गिर और एच एफ देशी नस्लों की प्रजातियों के दुधारू पशुओं भैंसों के माध्यम से दूध निकाला जाता है।पशु पालक अपने निजी खेती के द्वारा पशुओं को भूषा चरी और दाना खिलाकर दूध निकाला करते हैं। यदि यहाँ एमपी स्टेट डेयरी फेडरेशन के माध्यम से सहकारी दुग्ध समितियों का गठन किया जाए तो पशुपालकों को दूध का सही दाम मिल सकेगा। शासन की मुख्यमंत्री डेयरी प्लस योजना जैसी पहल यहाँ मील का पत्थर साबित हो सकती है। जिसमें पशु खरीदने के लिए अनुदान और बीमा की सुविधा दी जाती है। साथ ही शासन स्तर पर दुग्ध समितियों का जाल बिछता है। तो दूध की गुणवत्ता की जांच के लिए आधुनिक मशीनों का उपयोग होता है। इससे उपभोक्ताओं को मिलावट मुक्त दूध की गारंटी मिलती है। साथ ही बिचौलियों के खत्म होने से दरों में स्थिरता आती है।

विकास की अपार संभावनाएं

तेंदूखेड़ा में दूध की इतनी बड़ी मात्रा को देखते हुए यहाँ एक चिलिंग सेंटर की सख्त आवश्यकता महसूस की जा रही है। डेयरी फार्मिंग से युवाओं को स्थानीय स्तर पर रोजगार मिलेगा। और पशुपालन को भी बढ़ावा मिलेगा।उन्नत नस्ल के पशुओं के आने से दुग्ध उत्पादन 5000 लीटर के पार पहुंच सकता है।छोटी डेरियों को मिलाकर एक संघ बनाने से शासन से सीधे सब्सिडी प्राप्त करना आसान होगा।

इनका कहना है

तेंदूखेड़ा में दुग्ध उत्पादन की क्षमता बहुत अधिक है। यदि पशुपालक संगठित होकर शासन की योजनाओं का लाभ लें तो हम यहाँ एक बड़ा मिल्क प्रोसेसिंग हब बना सकते हैं। वर्तमान में हम लोग दूध दही छांछ पनीर और घी भी बेंचा करते हैं।

धनीराम पटेल
काचरकोना

वर्तमान में देशी नस्लों के माध्यम से ही निजी चारा भूसे चरी के माध्यम से पशुओं को खिलाकर दूध निकाला करते हैं इसके लिए यदि शासन स्तर पर उचित परामर्श मिलेगा तो निश्चित तौर पर उत्पादन के साथ आय प्राप्त कर सकते हैं।

देवीसिंह पटेल खेरुआ

कलेक्टर के निर्देशन में हटाया गया अतिक्रमण

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह के निर्देशन में बुधवार को गाडरवारा नगरीय क्षेत्र के विभिन्न सार्वजनिक स्थानों पर किए गए अतिक्रमण भूमि को मुक्त कराया गया। यह कार्यवाही सुव्यवस्थित नगरीय व्यवस्था और सार्वजनिक स्थलों को अतिक्रमण मुक्त कराने के उद्देश्य से की गई है, जिससे आवागमन सुविधाजनक हो सके और नागरिकों को परेशानी न हो। इस दौरान एसडीएम श्रीमती कलावती व्यारे, तहसीलदार, नगर पालिका गाडरवारा और पुलिस का अमला मौजूद था।